।। अर्हम् ।।

आचार्यश्री महाप्रज्ञ प्रवास व्यवस्था समिति, श्रीडूँगरगढ़ (बीकानेर)

दूरभाष : 01565–224600,224900

ई–मेल : jstsdgh01565@gmail.com

कन्या संस्कार निर्माण शिविर का आयोजन
कन्याओं में हो दिव्यता का विकास – युवाचार्य महाश्रमण

–अंकित सेठिया (मीडिया सहसंयोजक)–

श्रीडूँगरगढ़ 14 फरवरी : युवाचार्य महाश्रमण ने तेरापंथ महिला मण्डल द्वारा आयोजित कन्या संस्कार निर्माण शिविर के संभागियों को संबोधित करते हुए कहा कि दैवीय और आसूरी ये दो प्रकार की संपदा होती है। जो अभय का विकास कर लेता है, भाव शुद्धि रखता है, ज्ञान योग में लगा रहता है, दान की भावना रखता है, इन्द्रियों और ज्ञान का संयम करना जानता है, ज्ञान रुपी यज्ञ में आहूतियां देता है, स्वाध्यायशील होता है, तप करता है, और सरलता रखता है वह देवीय संपदा को धारण करने वाला होता है। कन्याओं को इन दिव्य गुणों का विकास करना चाहिए। दिव्यता के विकास से इनका भविष्य उज्वल बनने के साथ वर्तमान भी अच्छा बनेगा। उन्होने कहा कि कन्याओं को संस्कारी बनाने से दो परिवार पर प्रभाव पड़ता है। कन्याएं पीहर ओर ससुराल दोनों को संस्कारी बना सकती है।

युवाचार्य महाश्रमण ने कहा कि आज कन्याएं शिक्षा में बहुत आगे बढ़ रही है। बुद्धि का विकास किया है यह अच्छी बात है। इसके साथ संस्कारों की संपदा को प्राप्त करना भी जरुरी है। निर्भिकता, विनम्रता और सरलता का विकास होने पर भविष्य अच्छा होगा यह मानकर चलना चाहिए। उन्होने कहा कि कन्याओं को कठिनाईयों से नहीं घबराना चाहिए। उसका शांतभाव से समाधान खोजना चाहिए। उन्होने ऐसे शिविरों का निरंतर आयोजन होने की आवश्यकता जताई। युवाचार्यप्रवर ने श्रावक समाज से कहा कि दैविय संपदा का विकास न होने से धार्मिकता में कमी रह जाती है। सभी को आत्मचिंतन करना चाहिए कि उनके भीतर कितनी मात्रा में दैवीय संपदा है और कितनी मात्रा में आसुरी संपदा। धर्म वहीं ठहरता है जिसका ह्रदय शुद्ध होता है और जो सरल है उसका ही ह्रदय शुद्ध होता है। उन्होने कन्याओं को समाज की संपदा बताया।

तेरापंथ महिला मंडल की अध्यक्षा झिणकार देवी बोथरा ने कन्याओं का उज्जवल भविष्य विषय पर विचार व्यक्त करते हुए कहा कि बाहरी व्यक्तित्व के साथ आंतरिक व्यक्तित्व का निर्माण करें जिससे समाज और धर्मसंघ को नई ऊंचाईयां प्रदान करने में अपना योगदान दे सके। उन्होने कहा कि कन्याओं में शक्ति है, सामर्थ्य है और कुछ कर गुजरने की ललक है। तेरापंथ कन्या मंडल की उपसंयोजिका सुरभि संचेती ने अपने विचार रखे। ज्योति पुगलिया सुरभि जैन, नीशा लुणिया, साक्षी दुगड़, लोकश्री दुगड़ ने मंगलाचरण प्रस्तुत किया। कार्यक्रम का संचालन मनीषा सेठिया ने किया।

विश्व पुस्तक मेले में आचार्य महाप्रज्ञ की पुस्तकों की धूम

नेशनल बुक ट्रस्ट ऑफ इंडिया द्वारा दिल्ली के प्रगति मैदान में आयोजित विश्व पुस्तक मेले मे आचार्य महाप्रज्ञ की पुस्तकों की धूम रही। मेले में प्रभात प्रकाशन के सहयोग से जैन विश्व भारती के द्वारा आचार्य महाप्रज्ञ, युवाचार्य महाश्रमण द्वारा निर्मित पुस्तकों एवं जैनागमों को विक्रय के लिए प्रदर्शित किया गया। उक्त जानकारी देते हुए जैन विश्व भारती के प्रतिनिधि ने बताया कि मेले में समागत लेखकगण, पत्रकार, साहित्यकारों में आचार्यश्री की पुस्तकों की मांग रही। इसके अतिरिक्त एसोसियेशन ऑफ इंडियन युनिवर्सिटी के स्टॉल पर भी जैन विश्व भारती विश्वविद्यालय द्वारा एवं विश्व जैन संगठन के स्टॉल पर आगम ग्रंथ तथा अन्य संघीय साहित्य दर्शाया गया था। हार्पर कॉलिन्स पब्लिशर्स लिमिटेड के स्टॉल पर प्रदर्शित आचार्य महाप्रज्ञ की हैप्पी एण्ड हारमॉनियस फैमिली एवं ए.पी.जे. अब्दुल कलाम के साथ संयुक्त रुप से लिखित द फेमिली एण्ड द नेशन की चर्चा जोरो पर रही।

अंकित सेठिया
मीडिया संयोजक /सहसंयोजक